# Page Three

## Classified

**Adds can be booked under these Categories : (all day publication)**

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

**Matrimonial (Sunday Only)**

**अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द**


# बारह साल बीत चुके पर आज तक सड़क नहीं पहुंची

**जिम्मेदार कौन?**

## सरकार ने शहीद के नाम पर सड़क पहुंचाने का किया था वादा

**निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।**

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ से देश की सीमा पर शहादत देने वाले जवानों की तादात आज भी मायने रखती है । बता दें कि शहादत देने वाले जवानों के नाम पर शहादत के दौरान सरकारें काफी घोषणा करती है। वही ये घोषणायें धरातल पर महज आजतक कोरी ही साबित हो पाई है।

जानकारी के मुताबिक बेरीनाग विकासखंड के गांव रावलखेत शहीद जवान बहादुर सिंह बोहरा का गांव आज भी सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सेवाओं के लिए जूझ रहा है। बता दें कि गांव के ग्रमीणों को आज भी दस किमी पैदल चड़ाई चढ़ने को मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर हालात यह है कि अपने गांव से सीमांत जनपद पिथौरागढ़ आने के लिए एक सौ तीस किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। 26 सितबंर 2008 को देश की सीमा की रक्षा करते हुए भारत–पाक सीमा पर आपरेशन रक्षक के दौरान आंतकवादियों से हुई मुठभेड में बहादुर सिंह बोहरा शहीद हो गये थे। बहादुर सिंह बोहरा भारतीय सेना की दस पैराशूट बटालियन में तैनात थे। वही उनके अदम्य साहस व देश सेवा में उनके जज्बे को देखते हुए मरणोपरान्त भारत सरकार द्वारा अशोक चक्र सम्मान से नवाजा गया। शहीद का गांव आजतक सड़क सुविधा से वंचित चल रहा है। शहीद के गांव के ग्रमीण शहीद के नाम पर सुरौली से इकलगाडा तक रावलखेत तक मोटर मार्ग निमार्ण की मांग कर रहे है। कितनी सारकारें आई कितनी चली गई मगर आज शहीद के परिवार वाले व उनके गांव के लोग अपनी अनदेखी व उपेक्षा किये जाने से आहत है। बारह साल बीत गये मगर आजतक शहीद की शहादत के नाम पर गांव में सड़क तक नही बन पाई। ऐसे में शहीद के गांव वाले आज भी कही न कही अनदेखी की मार झेल रहे है। बहादुर सिंह की शहादत के दौरान शासन–प्रशासन व जनप्रतिनिधियों द्वारा शहीद के गांव तक सड़क बनाने की घोषणायें व वादे किये गये मगर आजतक वो वायदे हवाई साबित हुए।

आलम यह है कि गांव के स्कूली बच्चों को पैदल चढ़ाई पार कर आवाजाही करने करने को मजबूर होना पड़ रहा है। शहीद की माता सरस्वती देवी को अपने बेटे के बलिदान पर गर्व है। सरकार ने शहीद की शहादत के नाम पर सड़क बनाने का वादा किया था मगर बारह साल बीतने के बाद भी आज भी शहीद की शहादत को लेकर सरकार द्वारा किये गये वायदे धरातल पर कोरे व खोखले साबित हुए है।

## न्यूज डायरी

### बेटे की हत्या करने वाले खटीमा निवासी पिता को आजीवन कारावास

**संवाददाता** रूद्रपुर। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुशील तोमर की अदालत ने पुत्र की हत्या करने वाले पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दो हजार रुपये अर्थदंड, धारा 325 में पांच साल की सजा और एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता दीपक अरोड़ा ने बताया कि नानकमत्ता निवासी पानदेव असवाल ने अपनी बेटी चंपा देवी का विवाह मझोला दुगाड़ीगोठ खटीमा निवासी ललित मोहन भट्ट से किया था। विवाह के बाद उनके तीन पुत्र हुए। आरोप था कि ललित मोहन भट्ट झगड़ालू और अपराधी किस्म का व्यक्ति था। पत्नी और बच्चों की वह आए दिन पिटाई करता था। इसकी जानकारी जब पान देव असवाल से हुई तो उन्होंने ललित मोहन भटट को पुत्री व बच्चों से मारपीट न करने को समझाया था।

### पीसीएस भर्ती परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर पद नहीं होने पर जताई नाराजगी

**संवाददाता** पौड़ी। उत्तराखंड पीसीएस भर्ती परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर के पद को शामिल नहीं किया जाने पर पर युवा आंदोलनकारी एवं गैरसैंण क्रांति मोर्चा के प्रदेश संयोजक नमन चन्दोला ने नाराजगी जताई है। कहा कि प्रदेश में करीब 5 बाद उत्तराखंड पीसीएस भर्ती परीक्षा में डिप्टी कलेक्टर के पद को शामिल नहीं किया जाना बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा है। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर के महत्वपूर्ण पद को खाली रखे जाने पर आयोग की मंशा पर सवाल उठाए। पिछले लंबे समय से बेरोजगार युवा पीसीएस भर्ती का इंतजार कर रहे हैं ऐसे में उन तमाम युवाओं की भावनाओं और उनकी उम्मीदों के साथ यह एक बहुत बड़ा धोखा है।

### मिंत्रा के लेटेस्ट ब्रांड कैम्पेन में अग्रणी फैशन आईकन स्थिति मजबूत करेंगे

**संवाददाता** देहरादून। ई कॉमर्स ब्रांड के लिए भारत के सबसे बड़े सेलिब्रिटी नेतृत्व वाले मार्केटिंग गठबंधनों में से एक मिंत्रा ने ह्रतिक रोशन, विजय देवराकोंडा और डुलकर सलमान को अपना नया ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। उनके साथ इसके मौजूदा सेलिब्रिटी एम्बेसडर कियारा अडवानी और सामंता अक्कीनेनी भारत में फैशन के परिदृश्य में इसकी लोकप्रियता बढ़ाएंगे विभिन्न क्षेत्रों से अपने अभिनय और फैशन प्रेम के लिए मशहूर लोकप्रिय सेलिब्रिटीज की संयुक्त स्टार पॉवर के साथ मिंत्रा सितारों की सबसे बड़ी श्रृंखला के साथ अपने ब्रांड कमर्शियल प्रस्तुत करने वाला है इनका उद्देश्य पूरे देश में उपभोक्ताओं को आकर्षित करना और मिंत्रा को इन सेलिब्रिटीज के फैंस से जोड़ना है। ह्रतिक रोशन की लोकप्रियता एवं ग्लोबल अपील उनके विशाल फैन वर्ग की फैशन की पसंद को प्रभावित करेगी।

## आशा कार्यकर्ताओं ने किया आर–पार लड़ाई का ऐलान

**संवाददाता** अल्मोड़ा। राजकीय कर्मचारी घोषित किए जाने समेत 11 सूत्रीय मांगों के निराकरण की मांग को लेकर आशाकार्यकर्ता शुक्रवार को भी कार्यबहिष्कार पर डटी रहीं। उन्होंने स्थानीय गांधी पार्क पर धरना दिया। सभा कर सरकार के हठधर्मिता की कड़ी निंदा की। कहा कि यदि जल्द समस्या के समाधान को कारगर उपाय नहीं किए गए तो कार्यकर्ता प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आंदोलन तेज करने को बाध्य होंगे। स्पष्ट किया कि हितों की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आशा कार्यकर्ताओं ने गांधी पार्क में धरना दिया। साथ ही अब तक समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर राज्य व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा कि आशा कार्यकर्ता पिछले एक साल से भी अधिक समय से कोरोनाकाल में ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में पूरे मनोयोग से अपने कार्य में जुटी हैं। इसके बाद भी उन्हें कोविड ड्यूटी के दौरान तय मासिक भत्ते का भुगतान तक नहीं हो पाया है।

### कहा– मांगों के निदान तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प

धरने मीना देवी, ममता तिवारी, पुष्पा कनवाल, प्रभा नेगी, तारा चौहान, जानकी मिश्रा, अंजना आर्या, दीपा भंडारी, कौशल्या नेगी, गीता जोशी, इंद्रा भंडारी, ममता आर्या, जानकी कांडपाल, पुष्पा कनवाल, अनीता बिष्ट, तुलसी देवी, हेमा गुरुरानी आदि मौजूद रहे।

### खेलों से आपसी व्यवहार व आचरण कर सकते हैं मजबूत

**संवाददाता** रुद्रपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्पोर्ट्स स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में इंडिया फ्रीडम के तहत दो किलोमीटर की दौड़ आयोजित हुई। प्रतियोगिता में लगभग 42 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें 10 प्रतिभागियों को लकी ड्रा के माध्यम से पुरस्कृत किया गया। जिला क्रीड़ा अधिकारी रशिका सिद्दीकी ने कहा कि खेलों के माध्यम से हम आपसी व्यवहार व आचरण को मजबूत कर सकते हैं। इस मौके पर हरीश राम, सुरेश बिष्ट मोहित सिंह, धीरज जोशी, रघुवीर सिंह, सुधा जोशी, कैलाश सिंह अनिल कुमार महेंद्र कुमार कुंवर राम मौजूद थे।

## महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने निकाली बैलगाड़ी यात्रा

**संवाददाता** रुद्रपुर। बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेसियों ने गल्ला मंडी से बाटा चौक तक बैलगाड़ी यात्रा निकाली। इस दौरान हास्य गीतों से सरकार की आंख खोलने का प्रयास भी किया। चेतावनी दी कि मांगों पर गौर नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

शुक्रवार को महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जगदीश तनेजा व उत्तराखंड प्रदेश के युवा अध्यक्ष सुमित्तर भुल्लर के नेतृत्व में कांग्रेस बढ़ती महंगाई के खिलाफ गल्ला मंडी में एकत्र हुए। इस दौरान कांग्रेसियों ने भाजपा सरकार की आंखें खोलने के लिए एक बैलगाड़ी रैली का आयोजन किया। जो गल्ला मंडी से शुरू हुई और मुख्य बाजार होते हुए बाटा चौक में संपन्न हुई। रैली में हास्य कवि व गीतकार अपने धुन यंत्र लेकर हास्य गीत करते हुए सरकार की आंखें खोलने का प्रयास कर रहे थे।

रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महानगर अध्यक्ष जगदीश तनेजा और सुमित्तर भुल्लर ने कहा कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। भाजपा सरकार ने जितने वादे और सपने जनता को दिखाए थे। वह वादा सरकार पूरा नहीं कर पा रही है। पूर्व पालिकाध्यक्ष मीना शर्मा और पूर्व मंडी समिति अध्यक्ष अरुण पांडे ने कहा कि युवा बेरोजगार हो चुके हैं और दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं। सरकार आंखें मूंदकर सत्ता के नशे में चूर हो चुकी है। महंगाई और बेरोजगारी से पहाड़ के युवा पलायन को मजबूर हो गए हैं।

इस दौरान युवा प्रदेश महासचिव सौरभ राज बेहड़, सिफिया नाज, प्रकाश अधिकारी, चंद्रशेखर डब्लू, नवीन प्रधान, उमर अली, दिलशाद अहमद, अमीना मंडल, सरला ठाकुर, पुष्पा, कविता, गीता चौधरी, ओमपाल सिंह, दीपक नेगी, महेंद्र पाल, दिलीप अधिकारी, उमा सरकार, नरेश शर्मा, मोहनलाल खेड़ा शामिल थे।

### मुख्यमंत्री को मुकुट पहनाने की मिली धार्मिक सजा

**संवाददाता** देहरादून। गुरुद्वारा नानकमत्ता के प्रबंधन समिति के सदस्यों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सम्मान करना भारी पड़ गया है। अमृतसर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरजीत सिंह ने समिति के 3 सदस्यों को कड़ी सजा सुनाई है।

उल्लेखनीय है कि अभी बीते दिनों सीएम पुष्कर सिंह धामी अपने एक रोड शो के दौरान गुरुद्वारा नानकमत्ता पहुंचे थे जहां उनके सम्मान में महिलाओं ने नृत्य किया था और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने उन्हें चांदी का मुकुट पहना कर सम्मानित किया गया था। जिसे सिक्ख रमत मर्यादा का उल्लंघन माना गया था तथा सिक्ख समुदाय द्वारा इसकी तीखी आलोचना की गई थी।

अमृतसर श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरजीत सिंह का कहना है कि नानकमत्ता प्रबंधन समिति के प्रधान सेवा सिंह, महासचिव धन्ना सिंह और सेवादार बाबा तारकेश ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। उनका कहना है कि उक्त तीनों को जो सजा दी गई है वह पांच सिंह साहिबों के साथ बैठक के बाद ही तय की गई।